सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, सोमवार, 03 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 292, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड यूपीसीडा को रतार देने में जुट गए नवनियुक्त सीईओ... » Pg02

भारत की बेटियों का क्रिकेट में स्वर्णिम अध्याय

» Pg11

भिखारियों का सुपर बॉस या नट समुदाय का मसीहा

कौन है बब्बन? जिसे खोज रही थी पुलिस-इंटेलिजेंस!

12 नट समुदायों का सरपंच, वोट बैंक के चलते क्षेत्रीय नेताओं, पार्षद, विधायक-सांसदों तक है पहुंच

भिक्षावृत्ति मुक्त लखनऊ कार्यक्रम में जानकारी देते जिलाधिकारी विशाख जी।

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

» रतन प्रकाश सिंह, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी और नबावों की नगरी लखनऊ में आने वाले पर्यटकों को एक तरफ इस शहर की शाही इमारतों का दीदार होता है। वहीं दूसरी ओर इस शहर के व्यस्त चौराहे, पर्यटक स्थलों और तमाम ट्रैफिक सिग्नल्स पर भिखारियों का जमावड़ा दिखाई देता है। जो लखनऊ की शान पर बट्टा लगता नजर आता है। शासन प्रशासन की ओर से पिछले 10 सालों में भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने के लिए कई बार योजनाएं बनाई गईं। लेकिन जमीन पर इन योजनाओं का असर देखने को बहुत कम मिला। इस बार भी दीपावली से पूर्व लखनऊ को भिक्षावृत्ति मुक्त करने का ऐलान किया गया है।

राजधानी लखनऊ में जगह-जगह भीख मांगने वालों के पीछे पूरा सिंडिकेट काम करता है। इसी को आधार बनाकर बीते वर्ष राजधानी के कई बड़े अखबारों ने लगातार खबरें प्रकाशित कीं तो बब्बन का नाम भिखारियों के सिंडिकेट लीडर के तौर पर सामने आया। बब्बन जिसकी 7 पत्नियां, 38 बच्चे, 2000 से अधिक रिश्तेदार सहित पूरा कुनबा भीख मांगने के धंधे में लिप्त बताया गया। लेकिन बब्बन कौन है, कैसे उसने कथित सिंडिकेट बनाया, यह महज सवाल बना रहा। कभी उसका फोटो भी मीडिया में प्रकाशित नहीं हुआ। इतना ही नहीं बब्बन को अंडरग्राउंड बताते हुए लखनऊ पुलिस और इंटेलिजेंस को उसकी तलाश में जुटा होना भी कहा गया।

चुनावों ने बढ़ाया कद, प्रति वर्ष बढ़ जाते हैं 50-100 वोटर

बब्बन यह भी स्वीकारते हैं कि अपने समाज में शीर्ष व्यक्ति होने के चलते कई स्थानीय नेता भी उन्हें खासा महत्व देते हैं। उनके एक इशारे पर पूरा समाज अपना कीमती वोट किसी खास नेता को समर्पित कर देता है। हार्ट पेंशेंट बब्बन को जब एक बार दिल का दौरा पड़ा तो कई पार्षद, विधायक और राजनीतिक रसूखदारों ने हॉस्पीटल पहुंचकर उनकी आर्थिक मदद भी की। बब्बन के परिवार में हर वर्ष 50 से 100 वोटर्स बढ़ जाते हैं। यानि वर्तमान में बब्बन लाल लगभग 10 हजार से अधिक कुनबे के मुखिया हैं। बब्बन पढ़े-लिखे नहीं इसलिए अखबार उन्हें किस रूप में छाप रहे हैं, यह भी उन्हें लोगों ने बताया। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और लखनऊ के मोहनलाल गंज से सांसद कौशल किशोर से इस संबंध में उन्होंने शिकायत भी की थी। अब बड़ा सवाल यह है कि बब्बन लाल के नाम का सहारा लेकर राजधानी लखनऊ में भिखारियों का सिंडीकेट कौन चला रहा है। बब्बन कहते हैं कि जो लोग भिक्षावृत्ति के पेशे से जुड़े हैं पुलिस उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं करती? बब्बन बताते हैं कि वह बकरी और भैंस पालन के कार्य जुड़े रहे। भिक्षावृत्ति से जुड़े होने की बात सिरे से खारिज करते हुए बब्बन ने बताया उनके सभी बेटे अपना कारोबार या फिर स्कूल-अस्पतालों में साफ-सफाई का कार्य करते हैं। उनके नाती-पोते यूपी सरकार द्वारा दी जा रही सहायता से स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

मुफ्त हुए बदनाम
बब्बन लाल,
मुखिया, नट समुदाय।

भिक्षावृत्ति मुक्त लखनऊ के संकल्प के साथ योगी सरकार संवार रही हजारों नौनिहालों की जिंदगियां

स्वराज इंडिया की टीम ने जब इस मामले की पड़ताल की तो पता चला कि बब्बन एंड फैमिली लखनऊ के चिनटह में पक्का तालाब के निकट रहती है। नट जाति से ताल्लुक रखने वाले 75 वर्षीय बब्बन लाल का न सिर्फ काफी बड़ा परिवार है बल्कि वह समुदाय के विभिन्न 12 समाज के सरपंच भी हैं। बब्बन के तेरहवें नंबर के बेटे लकी के अनुसार समाज के लोग अपने परिवार का मामला सुलझाने के लिए उनके पिता के पास आते हैं। पंचायत के मुखिया होने के नाते समाज के अन्य पंचों के साथ मिलकर उनका निबटारा वहीं कर दिया है। किन्हीं मामलों में ही थाने तक बात पहुंचती है।

पिछले दिनों यूपी अलर्ट नामक यू-ट्यूब चैनल ने बब्बन के परिवार का इंटरव्यू लिया। यूपी अलर्ट के निर्देशक एसवी सिंह उजागर और समर सलिल के संपादक अनुपम चौहान ने स्वराज इंडिया को बताया कि इस इंटरव्यू में उनके बेटे-बहुओं और बच्चों से काफी बातचीत की गई। इस साक्षात्कार में बब्बन बेटे की बहू काजल ने यह स्वीकारा कि वह पहले भीख मांगती थीं लेकिन जब से भिक्षावृत्ति पर कार्य कर रही उम्मीद संस्था के संपर्क में आये हैं तब से वह ब्यूटी पार्लर का कार्य करती हैं और बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। समाज कल्याण विभाग की तरफ से उन्हें काफी योजनाओं का सहारा मिला है। एसवी सिंह बताते हैं कि सरकार, संस्थाओं और मीडिया के स्तर से जो कार्य हो रहा है, वह सतही तौर पर है। कुछ लाभार्थी मिले हैं, लेकिन वर्तमान में भी भिक्षुकों का एक बड़ा तबका ऐसा है जो सरकारी योजनाओं से वंचित हैं। लखनऊ में वर्ष 2024 में समाज कल्याण विभाग और डूडा ने सर्वे किया, जिसमें यह खुलासा हुआ कि चौराहों और मंदिरों के पास भिक्षावृत्ति में लगे भिखारी महीने में 90 हजार और साल में करीब 11 लाख रुपये कमाते हैं। इसी सर्वे को लेकर कई समाचार पत्रों में इस खबर ने सुर्खियां बटोरीं।

बीते 16 अक्टूबर को दीपावली से पूर्व यूपी सरकार द्वारा मिशन शक्ति 5.0 एवं भिक्षावृत्ति मुक्त लखनऊ के अंतर्गत शहर के बाबू केडी सिंह स्टेडियम में दीपदान महोत्सव का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में जिलाधिकारी विशाख जी ने बताया कि प्रशासन द्वारा भिक्षावृत्ति की रोकथाम एवं संलिप्त व्यक्तियों के पुनर्वासन हेतु संबंधित विभागों को यथोचित दिशा-निर्देश प्रदान किये गये है। शहर के मुख्य चौराहे को हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित कर निगरानी एवं रेस्क्यू करने हेतु सात टास्क फोर्स का गठन किया गया है। अब सवाल यह उठता है कि एक तरफ इतने विभाग इस पर समस्या पर मंथन करते हुए निगरानी रख रहे हैं और प्रदेश सरकार मुफ्त शिक्षा, राशन और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है। वहीं, दूसरी तरफ बड़ी संख्या में सड़कों पर लोग भीख मांग रहे हैं। यह हाल सिर्फ राजधानी लखनऊ का नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के सभी जिलों का है। इसकी वजह से देश-विदेश स्तर पर उत्तर प्रदेश की छवि धूमिल हो रही है।

बड़ा सवाल

अगर बब्बन नहीं... तो लखनऊ में कौन चला रहा है भिखारियों का सिंडिकेट?

भिक्षा में दिया पैसा बन जाता है अभिशापः बलबीर

समाज कल्याण विभाग ने भिक्षावृत्ति से जुड़े लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उम्मीद संस्था को यह जिम्मेदारी दी है। संस्था के फाउंडर बलबीर सिंह बताते हैं कि बब्बन लाल के परिवार के बच्चों तथा कई अन्य बच्चों को भी उनकी संस्था द्वारा स्मार्ट क्लासेस के तहत शिक्षा दी जाती है। वह कहते हैं कि लोगों द्वारा भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को दान के रूप में दिया पैसा उनके लिए अभिशाप बन जाता है। इस पेशे से जुड़े बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए उनकी संस्था द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत नियमानुसार 2500 रुपए स्कॉलरशिप भी दिलाई जाती है, जिसे अब यूपी सरकार द्वारा 4000 रुपए कर दिया गया है।

भिक्षुक गृह बंद, स्माइल प्रोजेक्ट के तहत किया जा रहा कार्य

बताते चलें कि पूर्व में पूरे प्रदेश में 11 भिक्षुक गृह प्रदेश सरकार द्वारा संचालित किए जा रहे थे। समाज कल्याण विभाग के डिप्टी डायरेक्टर आरपी सिंह ने स्वराज इंडिया को बताया कि अब यूपी सरकार द्वारा कोई भी भिक्षुक सुधार गृह नहीं चलाया जा रहा है। बल्कि इस पूरे अभियान को मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस एंड एम्पॉवरमेंट द्वारा वर्ष 2022 में शुरू किए गए स्माइल प्रोजेक्ट (सपोर्ट फॉर मार्जिनलाइज़्ड इंडिविजुअल फॉर लाइवलीहुड एंड एंटरप्राइज) द्वारा जोड़कर चलाया जा रहा है। वह बताते हैं कि योगी सरकार के प्रयास से इस पेशे से जुडे बच्चों को हमने प्रशिक्षित कर एक बैंड टीम बनाई गई जिन्होंने इसी वर्ष 26 जनवरी को एक बेहतरीन प्रस्तुति देकर एक मिसाल कायम की।

एक मामला ऐसा भीः भीख के लिए सात बार हुई गर्भवती

2024 में हुए सर्वे के दौरान अधिकारियों को एक ऐसी महिला भी मिली, जिसने छह बच्चों के होते हुए सिर्फ भीख मांगने के लिए खुद को सातवीं बार गर्भवती कर लिया। उसने बताया कि गर्भवती महिला पर तरस खाकर लोग ज्यादा भीख देते हैं।

फोटोः प्रस्तुति के लिए

यूपीसीडा को रफ्तार देने में जुट गए नवनियुक्त सीईओ विजय किरण आनंद

» यूपी में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने का संकल्प लेकर की शुरुआत

» मयूर माहेश्वरी के तबादले के बाद तेज तर्रार आईएएस अधिकारी विजय किरण आनंद को मिली है कमान

» मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/कानपुर। उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को नई ऊर्जा और दिशा देने की जिम्मेदारी अब वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी विजय किरण आनंद को सौंपी गई है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कानपुर स्थित यूपीसीडा मुख्यालय पहुंचकर अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की और विभिन्न विभागों के कार्यों का निरीक्षण किया।

बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि, यूपीसीडा राज्य सरकार के 'निवेश उत्तर प्रदेश दृष्टि' को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेगा। हमारा लक्ष्य राज्य में उद्योगों के लिए पारदर्शी, आधुनिक और निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में यूपीसीडा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दिशा में संस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणाममुखी बनाया जाएगा।

विजय किरण आनंद ने अधिकारियों को शासन की नीतियों एवं योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार, आधुनिकीकरण और प्रतिस्पर्धी निवेश माहौल के निर्माण पर यूपीसीडा की प्राथमिकता केंद्रित रहेगी।

उन्होंने बताया कि व्यवसाय सुगमता (Ease of Doing Business) के प्रभावी क्रियान्वयन से निवेशकों को सरल, डिजिटल और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

विभाग में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में करेंगे खास कार्य

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि भूमि आवंटन प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित बनाने के लिए निवेश मित्र पोर्टल और ई-नीलामी प्रणाली को और सशक्त किया जाएगा।

साथ ही एकीकृत ईआरपी प्रणाली एवं राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र क्लाउड माइग्रेशन के माध्यम से यूपीसीडा के सभी कार्यों को पूर्णतः डिजिटल रूप में परिवर्तित किया जाएगा।

इससे सभी सेवाएं एक ही मंच पर ऑनलाइन और पारदर्शी रूप से उपलब्ध होंगी।

उन्होंने बताया कि आगरा एवं प्रयागराज में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (आईएमसी) परियोजनाओं को गति देकर बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार सृजन के अवसर तैयार किए जाएंगे।

वहीं ललितपुर में बल्क ड्रग एवं फार्मा पार्क के विकास से उत्तर प्रदेश को औषधि निर्माण का केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

निजी निवेश और आधारभूत ढांचे पर ध्यान देना होगा

सीईओ ने कहा कि निजी औद्योगिक पार्क नीति 2022 और भंडारण एवं परिवहन नीति 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन से निजी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक सुविधा केंद्र, गुलाबी शौचालय, ट्रक ठहराव क्षेत्र, बंद परिपथ कैमरे (सीसीटीवी), हरित मियावाकी पार्क, सड़कों की प्रकाश व्यवस्था और ठेला क्षेत्र जैसी सुविधाओं के उन्नयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

साथ ही उद्यमियों से सुझाव प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड आधारित प्रणाली को और व्यापक बनाया जाएगा।

कर्मियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा जल्द मिलेगी : विजय किरण आनंद

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद ने मुख्यालय भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने मुख्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया तथा संगठन के कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में कर्मचारी संयुक्त संघ की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए सीईओ ने कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा दिए जाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि इस सुविधा की समुचित व्यवस्था के लिए प्रस्ताव आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा, ताकि कर्मचारियों को शीघ्र लाभ मिल सके।कर्मचारी संयुक्त संघ के प्रांतीय अध्यक्ष स्वराज श्रीवास्तव ने सीईओ के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा की तर्ज पर यूपीसीडा के कर्मचारियों को भी कैशलेस मेडिकल सुविधा मिले, जिससे वे निश्चिंत होकर पूरे मनोयोग से कार्य कर सकें। उन्होंने उम्मीद जताई कि संघ और कर्मचारियों की पूर्व से लंबित मांगों के समाधान की दिशा में भी अब तेजी आएगी।

इस पहल से कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। माना जा रहा है कि कैशलेस मेडिकल सुविधा मिलने से न केवल कर्मचारियों का आर्थिक बोझ कम होगा बल्कि उनकी कार्यक्षमता और मनोबल में भी वृद्धि होगी।

यूपीसीडा सीईओ
विजय किरण आनंद

विजय किरण आनंद के नेतृत्व में यूपीसीडा से उम्मीद है कि आने वाले समय में प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प होगा।

राज्य के सभी औद्योगिक इलाकों में सड़क, बिजली, जल निकासी और संचार जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ कर एक आधुनिक, सुरक्षित और निवेश-अनुकूल औद्योगिक परिवेश तैयार किया जाएगा।

नशीली और मिलावटी दवाओं का गढ़ बनता जा रहा कानपुर

» सूचना के बाद जागता औषधि विभाग फिर सो जाता है

» एक डीएम और दो पंजाब पुलिस को मिला गंभीर इनपुट

तीन महीनों में तीन शिकायतों पर हुई बड़ी कार्रवाई

राहुल पाण्डेय/स्वराज इंडिया

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

कानपुर। कानपुर नशीली और मिलावटी दवाओं का गढ बनता जा रहा है, लेकिन औषधि विभाग शिकायतों के बाद ही जागता है। विडम्बना यह है कि दूसरे प्रदेश के इनपुट पर विभाग को पता चलता है कि कानपुर में नशीली दवाएं बिक रहीं हैं। बीते तीन महीनें में विभाग ने तीन बडी कार्रवाई की, लेकिन किसी और की शिकायत या सूचना पर। इसमें जून में डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के पास एक शिकायत आई थी, जिसमें करोडों की नशीली दवाएं मिली थीं। पंजाब की पुलिस ने दो दफा यहां आकर संयुक्त कार्रवाई की। इनमें वह कार्रवाई शामिल नहीं हो जो शासन के आदेश या सिरप को लेकर छापेमारी की गई।

केस 1–पकड़ी गई डेढ करोड से अधिक की नशीली दवाएं (June 28, 2025)

खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने कासिगवां हमीरपुर रोड थाना सेन पश्चिमपारा क्षेत्र में मुलायम सिंह के मकान पर छापा मारा।किराने का सामान यहां बिना ड्रग लाइसेंस काफी मात्रा में नशीली दवाएं मिलीं। ड्रग इंस्पेक्टर की पूछताछ में किसी प्रकार का दस्तावेज मुलायम सिंह नहीं दिख सका।

यहां एक करोड 81 लाख 36 हजार 255 रूपये की दवाओं को टीम ने सीज कर दिया। टीम में औषधि निरीक्षक ओमपाल सिंह कानपुर नगर, नीलेश शर्मा औषधि निरीक्षक इटावा सम्मिलित थे।

यह प्रकरण 23 जून को जिलाधिकारी के समक्ष आयोजित जनता दर्शन में प्रस्तुत हुआ था, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

केस 2–नशीली दवाओं के सप्लायर को ले गई पंजाब पुलिस (17 Sep 2025)

लुधियाना में नशीली दवाइयों की सप्लाई करने वाले गोविंदनगर निवासी मेडिकल स्टोर संचालक शिवम गौतम को पंजाब पुलिस मंगलवार को गिरफ्तार कर ले गई।

वहीं, खेप पहुंचाने वाला सरगना डिप्टी पड़ाव निवासी हसन सिद्दीकी भाग गया। दोनों के खिलाफ लुधियाना में रिपोर्ट दर्ज है। छानबीन में सामने आया कि बरामद दवाइयां अहमदाबाद की एक कंपनी से कानपुर के गुजैनी स्थित गौतम फार्मा मेडिकल स्टोर के नाम पर मंगाई गई थीं।

छापेमारी के दौरान औषधि निरीक्षक रेखा सचान की मौजूदगी में जब बिल मांगे गए तो शिवम गौतम कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका।

केस 3–पंजाब पुलिस और ड्रग विभाग का छापा (October 8, 2025)

लुधियाना से एनडीपीएस की पुलिस टीम ने लोकल पुलिस और ड्रग विभाग के अफसरों संग बिरहाना रोड की नील वाली गली स्थित श्री लक्ष्मी फार्मा में छापा मारा।

यहां टीम को लाखों रूपये कैस, दवाओं के रैपर और काफी संख्या में संदिग्ध दवाएं मिली हैं। ड्रग विभाग ने दवाओं को सीज कर दिया है। वहीं नोटों की गिनती मशीन से की जा रही है।

ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि पंजाब की पुलिस टीम की सूचना पर लोकल पुलिस संग श्री लक्ष्मी फार्मा पर छापा मारा गया है।

यहां से चार लाख से अधिक की संदिग्ध दवाएं मिली हैं, इन्हें सीज कर दिया गया। फार्मा का मालिक राहुल अग्रवाल भाग गया। करीब 25 लाख से अधिक का कैस भी बरामद हुआ।

कोडिन युक्त सिरप बेचने पर मुकदमा

कोडीन युक्त सिरप की बिक्री करने पर महाराजपुर स्थित मेसर्स मां दुर्गा मेडिकोज के संचालक रोहन पचौरी पर औषधि विभाग की ओर से मुकदमा दर्ज कराया है। बीते रोज ड्रग इंस्पेक्टर जब दुकान में जांच को पहुंचे तो संचालक वहां से भाग निकला। बताया गया कि दुकान तो काफी समय से बंद है, लेकिन लाइसेंस के आड में फर्जी तरीके से कोडीन सिरप का विक्रय किया जा रहा है। महाराजपुर एसएचओ संजय पाण्डेय ने बताया कि ड्रग इंस्पेक्टर की तहरीर पर रोहन पचौरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

कानपुर से कई राज्यों में हो रही सप्लाई

नकली व नशीली दवा का कानपुर बड़ा गढ़ बन चुका है। इनपुट है कि यहां से गुजरात, पंजाब से लेकर जम्मू कश्मीर तक नशीली और नकली दवा की सप्लाई होती है।

उसमे फर्जी पुरानी फर्मो के बिलों का सहारा लिया जाता है। उसके जरिए ही दवा भेजी और मंगाई जाती है।

पैसे का भुगतान हवाला और ऑनलाइन के जरिए होता है। नकली और नशीली दवा शहर से भेजने के साथ ही कानपुर मंगाई भी जा रही है। जिससे फर्म का लेन–देन दिखाई पड़े। कई डमी फार्मो के जरिए खरीद फरोख्त हो रही है। ड्रग कार्रवाई के बाद फिर गहरी नींद में सो जा जाता है, बाकी वसूली चलती रहती है।

खाटू श्याम बाबा का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया

» रामबाग स्थित टूटी मस्जिद चौराहे के पास हुआ भव्य आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रामबाग स्थित टूटी मस्जिद चौराहे के पास खाटू श्याम बाबा के अवतरण दिवस का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर भक्तों ने पूरे क्षेत्र को फूल-मालाओं, झालरों और रोशनी से सजाया। जैसे ही घड़ी ने शुभ मुहूर्त का संकेत दिया, आसमान रंग-बिरंगी आतिशबाजी से गूंज उठा और जय श्री श्याम के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम के दौरान बाबा श्याम की प्रतिमा के समक्ष 5 किलो का विशाल केक काटकर भक्तों ने अवतरण दिवस का उल्लासपूर्वक शुभारंभ किया।

श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ बाबा का नमन किया और प्रसाद वितरण किया गया। हजारों की संख्या में भक्तों ने बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और अपनी मनोकामनाएं मांगी।

इस दौरान घंटे-घड़ियालों की गूंज, मंत्रोच्चार और हवन से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। भक्तों ने बाबा की महिमा का गुणगान करते हुए भक्ति गीतों पर झूमकर उत्सव को और भी आनंदमय बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनीष निगम, मंटी मिश्रा, दीपक निगम, महुआ निगम सहित अनेक श्रद्धालु परिवार सहित उपस्थित रहे। खाटू श्याम बाबा के अवतरण दिवस के इस भव्य आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक एकता और भक्ति का अद्भुत संदेश प्रसारित किया।

देवोत्थानी एकादशी पर आस्था के मेले से दमक उठा गंगा तट

5100 दीपों से जगमगाया गंगा घाट, सांसद-विधायक ने किया का लोकार्पण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। रविवार की शाम बिल्हौर के आंकिन गंगा तट पर आस्था और श्रद्धा का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने हर दिल में भक्ति की भावना जगा दी। देवोत्थानी एकादशी के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने हर हर गंगे के जयघोष के बीच गंगा आरती में भाग लिया। दीपों की कतारें जब जल में तैरने लगीं तो पूरा घाट सुनहरी रोशनी से नहा उठा।

कार्यक्रम की शुरुआत सांसद अशोक रावत और विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने संयुक्त रूप से 37 लाख की लागत से बने पक्के घाट के लोकार्पण से की। घाट के

उदघाटन के साथ ही वातावरण में शंखनाद और घंटियों की गूंज फैल गई। जैसे ही आरती का क्रम शुरू हुआ, पूरा आंकिन घाट दीपों के सागर में तब्दील हो गया। श्रद्धालुओं ने 5100 दीप जलाकर गंगा माता को नमन किया। प्रवाहित होते दीपों की झिलमिल रोशनी ने गंगा जल को स्वर्गिक आभा से भर दिया। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग-हर कोई इस पावन क्षण को अपने कैमरे और आंखों में कैद करने में व्यस्त नजर आया। जब आरती संपन्न हुई तो ठंडी हवा में दीपों की लौ डोलने लगी, और श्रद्धालुओं के चेहरों पर संतोष और भक्ति की चमक झिलमिलाने लगी। यह दृश्य देर तक लोगों की आंखों में रचा-बसा रहा।

भक्ति से भीगा वातावरण, संस्कृति से जुड़ी पहचान

आरती के समापन पर सांसद अशोक रावत ने कहा कि गंगा हमारी संस्कृति की आत्मा हैं, ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने कहा कि यह आयोजन समाज में एकता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है।

इस अवसर पर अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव, मधुराम जी, सुरेन्द्र दीक्षित, रमेश, सुशील कटियार, रवि बाजपेई, ललित सोनकर, नवले मिश्रा, जे.पी. कटियार, अजीत सिंह, सौरभ शर्मा, अविनाश मिश्रा, अखिलेश अवस्थी, मुन्ना सिंह, इंदु शुक्ला, प्रभाकर अवस्थी सहित क्षेत्र के हज़ारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं ने जताई खुशी
बोले-अब घाट का रूप बदला, सुविधाएं बढ़ीं

नवनिर्मित घाट स्त्रदेखकर श्रद्धालु प्रसन्न नजर आए। लोगों का कहना था कि पहले घाट जर्जर अवस्था में था, लेकिन अब इसका नया स्वरूप गंगा स्नान, आरती और धार्मिक आयोजनों के लिए उपयुक्त बन गया है। घाट पर बढ़ी रोशनी और स्वच्छता ने श्रद्धालुओं के मन में नई ऊर्जा और संतोष भर दिया।

शिवराजपुर-शिवली रोड पर भीषण हादसा

युवक की मौत-एक गंभीर

» तेज रफ्तार बाइकें आमने-सामने टकराईं, परिजनों में मचा कोहराम।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

शिवराजपुर/बिल्हौर(कानपुर) रविवार की शाम शिवराजपुर-शिवली मार्ग पर मधई नेवादा गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने हुई ज़ोरदार भिड़ंत में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों बाइकें तेज़ रफ़्तार में थीं और मोड़ पर आमने-सामने आ गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सवार सड़क पर गिर पड़े। हादसे में मधई नेवादा निवासी अजय (19) पुत्र मलखान की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अनिकेत, निवासी सबलपुर (थाना शिवली) गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलते ही शिवराजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी भेजा। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद अनिकेत को हालत नाज़ुक देखते हुए कानपुर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और दुर्घटना के कारणों की जांच कराई जा रही है। उधर, अचानक हुई इस घटना से मृतक के घर में कोहराम मचा है, परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रौतापुर का युवक लापता, पुलिस ने शुरू की तलाश

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)। रौतापुर गांव का एक 26 वर्षीय युवक तीन दिन से लापता है, जिससे परिवार में चिंता और बेचैनी का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, गांव निवासी गोरेलाल पुत्र रामस्वरूप गौतम 31 अक्तूबर की शाम घर से निकले थे, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटे। परिजनों ने बताया कि गोरेलाल का मोबाइल फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहा है। रिश्तेदारों और दोस्तों के यहां भी काफी तलाश के बावजूद युवक का कुछ पता नहीं चल सका।

आखिरकार परिवार ने रविवार को थाना चौबेपुर में तहरीर देकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई। थानाध्यक्ष आशीष चौबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है, और पुलिस टीम युवक की तलाश में जुटी है। आसपास के इलाकों में खोजबीन कराई जा रही है। गांव के लोगों का कहना है कि गोरेलाल मेहनतकश और शांत स्वभाव का युवक है, उसके इस तरह अचानक लापता होने से सभी हैरान हैं।

मां कहते ही दौड़े बच्चे, गले लग रो पड़ी महिला

» गांगूपुर अंडरपास पर बेसुध मिली महिला को अरौल पुलिस ने संभाला, खोजकर बिछड़े परिवार से मिलाया।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। कभी-कभी पुलिस सिर्फ कानून की रखवाली नहीं करती, बल्कि इंसानियत की सबसे खूबसूरत तस्वीर बन जाती है। थाना अरौल पुलिस ने शनिवार को ऐसा ही कर दिखाया जब एक बेसुध महिला को उसके परिवार से मिलाकर सबका दिल जीत लिया। गांगूपुर अंडरपास पर पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला नशे की हालत में सड़क किनारे पड़ी है। इस पर महिला उपनिरीक्षक प्रीतांजली और उपनिरीक्षक कृष्णाकांत तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला को पानी पिलाया, संभाला और शांत भाव से बातचीत की। धीरे-धीरे महिला ने अपना नाम बसंती पत्नी बहादुर निवासी सीतापुर बताया।

पूछताछ में उसने कहा कि वह अपने पति और दो बच्चों के साथ साइकिल रिक्शा ठेले से सोनीपत से बाराबंकी जा रही थी। रास्ते में कुछ सामान लेने के दौरान परिवार से बिछड़ गई थी और मायूसी में वहीं लेट गई थी। पुलिस ने तुरंत महिला को साथ लेकर उसके परिवार की तलाश शुरू की। कुछ ही दूरी पर जीटी रोड पर एक व्यक्ति ठेला लेकर दो छोटे बच्चों के साथ जा रहा था।

महिला ने पहचानते ही कहा-वो मेरे बच्चे हैं! जैसे ही बच्चों ने अपनी मां को देखा, वे ठेले से कूदकर दौड़ पड़े और अपनी मां से लिपट गए। मां-बेटों के इस मिलन को देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। अरौल पुलिस ने महिला को उसके पति बहादुर और दोनों बच्चों राजा (5 वर्ष) व आरव (4 वर्ष) के साथ सुरक्षित रवाना किया ।इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने बताया कि

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

पंजाब में अखबारों के वाहनों की जांच पर सवाल

इसे दुर्भाग्यपूर्ण विडंबना ही कहा जाएगा कि जिस 2 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारों के खिलाफ दुराग्रह व हिंसा से मुक्ति के लिये मनाया जाता है, उसी दिन पंजाब भर में पुलिस द्वारा अखबारों को पाठकों तक पहुंचने से रोका गया। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिन को मनाये जाने का उद्देश्य अभिव्यक्ति की आजादी और सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच पर मंडराते खतरों के खिलाफ चेतना जगाना रहा है। वहीं इस दिन पंजाब पुलिस ने रविवार तड़के समाचार पत्र ले जाने वाले वाहनों को रोककर कथित जांच का उपक्रम किया। फलत- लाखों पाठक आपने पसंदीदा समाचार पत्रों का बेसब्री से इंतजार करते रह गए। निश्चित रूप से उन लोगों के लिये यह कष्टदायक ही रहा होगा, जिनके दिन की शुरुआत ही अखबार के साथ चाय-कॉफी से होती है। वे घंटों प्रतीक्षा करते रह गए, लेकिन पुलिस कार्रवाई के चलते उन तक समाचार पत्र नहीं पहुंचे। हालांकि, इस कार्रवाई के बाबत पुलिसिया दलील किसी के गले नहीं उतरी। पुलिस का दावा था कि यह जांच खुफिया एजेंसियों की सूचना पर आधारित थी कि इन वाहनों का उपयोग नशे, हथियार व प्रतिबंधित चीजों की तस्करी के लिये किया जा सकता है। हालांकि, ऐसी प्रतिबंधित व आपराधिक श्रेणी में आने वाली किसी वस्तु का कोई सुराग नहीं मिला। लेकिन पुलिस की कथित कार्रवाई पर तमाम तरह के सवाल जरूर उठे। पत्रकारों तथा तमाम मीडिया संगठनों ने समाचार पत्रों के वितरण में बाधा डालने की इस आपत्तिजनक कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ आम आदमी पार्टी की सरकार पर प्रेस की आजादी पर हमला करने को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। इसे मीडिया पर हमला बताते हुए इसे पंजाब सरकार की ओर से लगाया गया अघोषित आपातकाल बताया गया। यह भी आरोप लगा कि भगवंत मान सरकार ने उसे परेशान करने वाली खबरों पर रोक लगाने के मकसद से पुलिस के जरिये यह दमनात्मक कार्रवाई की।इसमें दोराय नहीं कि सीमावर्ती राज्य पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगी इतनी लंबी सीमा है कि सुरक्षा के नजरिये से किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सकती है। लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकार को सतर्कता और पारदर्शिता के बीच बेहतर संतुलन बनाना चाहिए। रविवार को अखबार ले जाने वाले वाहनों पर कार्रवाई शुरू करने से पहले मीडिया घरानों और समाचार पत्र आपूर्तिकर्ताओं सहित सभी हितधारकों को विश्वास में लिया जाना जरूरी था। निश्चित रूप से इससे व्यवधान और भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता था।

निर्विवाद रूप से मीडिया की स्वतंत्रता किसी स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला है। यहां तक कि पंजाब के सबसे मुश्किल दौर में भी यह जरूरी है। सरकार और पुलिस को चरमपंथ के चरम वक्त को याद करने की सलाह दी जानी चाहिए, जब पुलिस सुबह के दौरे में साइकिल पर सवार हॉकरों को सुरक्षा प्रदान किया करती थी। उनकी सुरक्षा के साथ-साथ समाचार पत्रों के निर्बाध वितरण के लिये भी।

दो राज्य रास्ते पंजाब पुनर्गठन के 60 साल

कमल रस्तोगी

पंजाब में राजनीतिक स्थिरता बहाल करने की फौरी ज़रूरत की खातिर वर्ष 1966 में इसका पुनर्गठन किया गया और हरियाणा का जन्म हुआ। 'द ट्रिब्यून' इस मील के पत्थर को याद करने और राज्यों की प्रगति को दिखाने के लिए एक साल भर चलने वाले धारावाहिक लेखों का सिलसिला शुरू कर रहा है। वर्ष 1966 में पंजाब और हरियाणा के जन्म को याद करते हुए, मेरे विचार 1947 में हुए पंजाब के पहले विभाजन की ओर चले जाते हैं, जब भयानक सांप्रदायिक हिंसा, आगजनी, लूटपाट, बलात्कार और हत्याओं ने पूरे लाहौर को अपनी चपेट में ले लिया था, उस शहर में हमारा परिवार दशकों से बसा था। बंटवारे के बाद, हमें अपना घर-बार छोड़कर भागना पड़ा और भारत की सरहद में पहुंचने से पहले अनगिनत खतरों का सामना करना पड़ा।

The Tribune

PUNJAB, HARYANA MINISTRIES ANNOUNCED

MUSAFIR TO HEAD 22-MEMBER GOVT.

Darbara Singh, Brish Bhan, Prabodh Chandra Taken

7 CABINET MINISTERS IN B.D. SHARMA'S TEAM

Ranbir Singh, Mrs Jain, Gulab Singh, Anand Included

हालांकि, मरने वालों की सही संख्या का पता नहीं है, लेकिन अनुमान है कि 20 लाख से ज्यादा लोग मारे गए और लगभग पांच गुना ज्यादा बाशिंदे बेघर होकर शरणार्थी बन गए। नए देश को गंभीर समस्याएं निरंतर त्रस्त करती रहीं, सरकारी खजाना खाली था और पूर्वी पंजाब (बाद में पंजाब, भारत कहलाया) में अकाल जैसी स्थिति थी; सीमा पार करके आए लाखों-लाख लोगों के भोजन के लिए पर्याप्त अनाज नहीं था। अगले दो दशकों तक, पंजाब में एक के बाद एक बनी सरकारों ने, एक समर्पित नौकरशाही के मज़बूत समर्थन से, मानव इतिहास में शायद सबसे बड़े जबरन नागरिक पलायन के बाद पैदा हुई अनगिनत चुनौतियों का बखूबी सामना किया। रेडक्लिफ लाइन (जिसने भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तय की) स्थापित होने से पहले, सिखों ने एक अलग होमलैंड की मांग उठाई। उनकी आकांक्षाएं पूरी नहीं हुईं। आज़ादी के बाद, शिरोमणि अकाली दल ने इस मांग को फिर से उठाने के लिए ज़ोरदार आंदोलन किया। यह देखते हुए कि भारत के अन्य राज्यों में पुनर्गठन भाषा के आधार पर किया गया था, पंजाबी भाषी राज्य की मांग कोई अपवाद नहीं थी। हालांकि, सिख समुदाय की राजनीतिक आकांक्षाओं के साथ जुड़ने के बाद इसने कुछ अलग रंगत ले ली। राज्यों के भाषाई और प्रशासनिक आधार पर पुनर्गठन की जांच के लिए गठित राज्य पुनर्गठन आयोग (1953-55) ने पंजाब के विभाजन को विशुद्ध भाषा के आधार पर करने को खारिज कर दिया। इसने पंजाब को द्विभाषी (पंजाबी और हिंदी) राज्य बनाए रखने का समर्थन किया। सिखों के राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने की गर्ज से पंजाब हिंदू महासभा ने शिरोमणि अकाली दल की पंजाबी सूबे की मांग का पुरज़ोर विरोध किया और पंजाब को हिंदी-बहुल राज्य बनाए रखने के लिए आंदोलन किया। मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों, जोकि एक सक्षम किंतु अपने अधिनायकवादी रवैये के लिए जाने जाते नेता थे, उन्होंने अपने कार्यकाल (1956-64) के दौरान शिरोमणि अकाली दल और हिंदू महासभा के आंदोलनों से प्रभावी ढंग से निबटा। दिल्ली में, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू किसी भी ऐसे फैसले के खिलाफ थे जिसके परिणामस्वरूप हिंदू-सिख सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता हो। उक्त दोनों पक्षों के आंदोलन 1950 के दशक से लेकर 1960 के दशक तक चलते रहे, जब तक कि केंद्र सरकार भाषा के आधार पर पंजाब का फिर से गठन करने की मांग पर सहमत नहीं हो गई। साल 1966 में, पंजाब में 18 जिले थे, जिनमें से लगभग सात मुख्य रूप से हिंदी भाषी माने जाते थे- अंबाला, संगरूर, करनाल, गुड़गांव, रोहतक, हिसार और महेंद्रगढ़ के कुछ हिस्से। ऊपर बताए गए ग्रुप में, अंबाला (जो कि 1947 तक एक महत्वपूर्ण ब्रिटिश छावनी थी) और करनाल को अपेक्षाकृत ज्यादा विकसित माना जाता था क्योंकि वे ऐतिहासिक ग्रैंड ट्रंक (जीटी) रोड पर स्थित थे।

महिला वोटरों पर निर्भर है जीत-हार का फैक्टर

महिला ज्यादा बढ़चढ कर

ज्वाला सिंह दास

चुनाव आयोग के मुताबिक बिहार में 100 में 48 फीसदी वोटर आंकड़ा महिलाओं का है। पिछले चुनाव में रिकॉर्ड 40 फीसदी मतदान महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में किया था। इतनी वोटिंग इस बार भी जिस दल के पक्ष में होगी, वही बाजी मारेगा। हालांकि पिछले विधानसभा-2020 के चुनाव में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी का ऐलान किया था। बीते कुछ दशकों से बिहार की आधी आबादी पुरुष मतदाताओं के मुकाबले सर्वाधिक मतदान कर रही हैं। अपने बूते जिसे चाहें उसे सत्ता सौंपने का मादा रखती हैं।

हालिया, कुछ चुनावी सर्वेक्षण रिपोर्ट्स संकेत इस बार भी ऐसे ही दिखा रही हैं। सर्वे बताते हैं कि बिहार चुनाव में महिलाएं लैंगिक सियासत की बदलती गतिशीलता की नई तस्वीर पेश करेंगी। हिंदी पट्टी वाले राज्यों में चुनावी समर में पुरुषों के मुकाबले महिला ज्यादा बढ़चढ कर हिस्सा लेती हैं जिनमें बिहार सबसे अव्वल है। चुनाव चाहे सांसदी के हों या विधानसभा के या फिर पंचायत के, सभी में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत सर्वाधिक रहा है। पूर्व के इन आंकड़ों को देखते हुए जारी बिहार चुनाव में तकरीबन सभी सियासी दल महिला वोटरों पर ही ज्यादा दांव लगा रहे हैं। इतना तय है कि महिलाएं इस बार चुनावी गच्चा खाने के मूड में हैं नहीं? झूठे वादों में नहीं फंसेगी। पिछले चुनाव में एनडीए के खाते में 40 फीसदी वोट पड़ने वाला समूह शांत

दिखाई पड़ता है। चुनावी वायदों को महिलाएं अपने नजरिए से परख रही हैं। बिहार के चुनावी उत्सव में चाहे महिला वोटर हों या विधायक? एकाध दशकों में इनकी भागेदारी सरकारों में भी रही हैं। विधानसभा-2020 में महिला उम्मीदवारों ने रामनगर, धमदाहा, प्राणपुर, कोढ़ा, गौराबौराम, गोपालगंज, राजापाकर, महनार, कटोरिया, मोकामा, मसौढ़ी, संदेश, नोखा, नरकटियागंज, बेतिया, केसरिया, परिहार, बाबूबरही, फुलपरास, त्रिवेणीगंज, शेरघाटी, बाराट्टी, हिसुआ, बारसलीगंज और जमुई में विजयी पताका लहराया था। बिहार में एनडीए सरकार लौटने के आसार प्रबल, जदयू के हाथ में रहेगी सत्ता की कुंजी! महिलाओं के लिए मौजूदा विधानसभा-2025 चुनाव यह निर्धारित करेगा कि जनकल्याण के माध्यम से सशक्तीकरण वास्तिव स्वायत्ता में तब्दील होता है या सिर्फ चुनावी सुविधा ही बनकर रह जाएगा। पिछले आंकड़ों को देखकर भाजपा का पूरा फोकस महिलाओं पर है। तभी, तो उन्होंने चुनाव तारीखों की घोषणा से पूर्व ही 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' स्कीम के तहत लगभग 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में दस-दस हजार रूपए की नगद धनराशि पहले ही भेज दी हैं। पैसा पाकर महिलाएं खुश जरूर हैं, लेकिन इस बात की गारंटी नहीं की वह 'नोट के बदले वोट' देंगी या नहीं? इस स्कीम पर महिलाओं को संशय इसलिए है कि ये घोषणा नीतीश कुमार ने नहीं, बल्कि दिल्ली से प्रधानमंत्री द्वारा हुई। क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी एक घोषणा उन्हीं के द्वारा की गई थी, जो अभी तक लागू नहीं हुई है। इन सभी तथ्यों की समीक्षाएं महिलाएं इस बार कर रही हैं। सभी अपनी-अपनी हैसियत अनुसार वादा कर रहे हैं? जबकि, बिहार में दूसरा सबसे मजबूत दल आरजेडी ने तो प्रत्येक परिवार के एक-एक सदस्य को नौकरी देने की भी घोषणा की है। कुल मिलाकर, बिहार का मौजूदा चुनावी गणित आधी आबादी के ईद-गिर्द ही घूम रहा है। चुनाव आयोग के मुताबिक बिहार में 100 में 48 फीसदी वोटर आंकड़ा महिलाओं का है। पिछले चुनाव में रिकॉर्ड 40 फीसदी मतदान महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में किया था। इतनी वोटिंग इस बार भी जिस दल के पक्ष में होगी, वही बाजी मारेगा।

सुरार में सरकारी भूमि विवाद के बीच ग्राम प्रधान पर रंगदारी का मुकदमा

पीड़ित ने 1 लाख की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी का लगाया आरोप

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। राजस्व ग्राम पंचायत सुरार एक बार फिर विवादों में है। सरकारी ऊसर भूमि पर कब्जे और अब रंगदारी के मामले ने यहां के हालात को और गंभीर बना दिया है। थाना सचेंडी में ग्राम प्रधान पंकज यादव के खिलाफ पीड़ित राजकुमार ने मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें 1 लाख रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। राजकुमार का कहना है कि वह अपनी पैतृक भूमि आराजी संख्या 539 पर कुछ दुकानों का निर्माण कर रहा था। उसी दौरान ग्राम प्रधान कई दिनों से निर्माण कार्य रुकवाने के लिए दबाव बना रहे थे और 1 लाख की मांग कर रहे थे।

उक्त भूमि पर राजकुमार दुकानों का निर्माण कार्य कर रहा था

पीड़ित के अनुसार, दो दिन पहले प्रधान अपने एक साथी के साथ वाहन नंबर .यूपी 78 HR- 1201 से मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए कहा तुरंत गड्ढे भर दो, नहीं तो जान से मार दूँगा। इसके बाद प्रधान मौके से चले गए। इस घटना से डरे राजकुमार ने थाना सचेंडी में मुकदमा दर्ज कराया है।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।रंगदारी के आरोपों पर ग्राम प्रधान पंकज यादव ने सफाई दी है कि वह ऊसर भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को रोकने गए थे।

प्रधान का आरोप है कि जब उन्होंने निर्माण रुकवाने को कहा, तो राजकुमार, पंकज कछवाह और वीरेंद्र ने उन पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के समय लेखपाल अनिल कुमार मौके पर मौजूद था और यह पूरी साजिश लेखपाल की योजना के तहत रची गई। ग्राम प्रधान ने मांग की है कि लेखपाल और हमलावरों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कराई जाए।

भूमि पर कब्जे से लेकर रिश्वत के आरोप तक

सुरार ग्राम पंचायत पहले से ही आराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 पर दर्ज मुख्य मार्ग पर स्थित सरकारी ऊसर भूमि के कब्जे और लेखपाल की फर्जी रिपोर्ट को लेकर सुर्खियों में रही है।

उक्त सरकारी ऊसर भूमि सुरार में कब्जा है

ग्राम प्रधान पंकज यादव ने कुछ माह पहले सदर एसडीएम कानपुर को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि लेखपाल अनिल कुमार ने रिश्वत लेकर वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव जैसे भू-माफियाओं को भूमि कब्जा करने में मदद की है। हालांकि, बाद में प्रधान ने किसी कारणवश अपनी शिकायत वापस ले ली। इसके बाद ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान ने भू-माफियाओं से सांठगांठ कर ली है। अब आराजी संख्या 539 के नए प्रकरण ने इस विवाद को फिर से जीवित कर दिया है, जिससे पंचायत में तनाव बढ़ता जा रहा है।

पंचायत चुनावः नामांकन शुल्क जमानत राशि और व्यय सीमा तय

» ग्राम प्रधान प्रत्याशी अधिकतम 1.25 लाख तक कर सकेंगे खर्च

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव के लिए गांव-गांव दावेदारी शुरू हो गई है। वहीं राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश ने आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पदों के लिए नामांकन शुल्क, जमानत राशि और अधिकतम व्यय सीमा तय कर दी है। हालांकि अभी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन आयोग द्वारा जारी ये दरें आगामी चुनावों में प्रभावी रहेंगी।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 : पदवार अधिकतम व्यय सीमा

पदनाम	अधिकतम	व्यय सीमा (?)
सदस्य	ग्राम पंचायत	10,000
प्रधान	ग्राम पंचायत	1,25,000
सदस्य	क्षेत्र पंचायत	1,00,000
सदस्य	जिला पंचायत	2,50,000
प्रमुख	क्षेत्र पंचायत	3,50,000
अध्यक्ष	जिला पंचायत	7,00,000

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार नामांकन पत्र केवल निर्धारित मूल्य पर ही उपलब्ध कराए जाएंगे। जमानत राशि संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को ही जमा करनी होगी। साथ ही प्रत्याशियों को नामांकन के समय निर्धारित व्यय सीमा की जानकारी देना अनिवार्य होगा।ग्राम पंचायत सदस्य के लिए नामांकन पत्र 200, जमानत राशि 800 और व्यय सीमा 10,000 तय की गई है। वहीं अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा महिला प्रत्याशियों के लिए यह क्रमशः 100, 400 और 10,000 होगी।प्रधान ग्राम पंचायत के लिए सामान्य वर्ग के प्रत्याशी को 3,000 जमानत राशि और 1,25,000 तक व्यय सीमा की अनुमति होगी, जबकि

आरक्षित वर्ग के लिए जमानत राशि ?1,500 तय की गई है ।क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए व्यय सीमा 1,00,000, जिला पंचायत सदस्य के लिए 2,50,000, प्रमुख क्षेत्र पंचायत के लिए 3,50,000 और अध्यक्ष जिला पंचायत के लिए 7,00,000 निर्धारित की गई है।जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तय की गई ये दरें नामांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, एकरूप और निष्पक्ष बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे सभी प्रत्याशियों को समान अवसर मिलेगा और चुनावी प्रक्रिया में धनबल के प्रभाव को सीमित किया जा सकेगा।

SIDDHIVINAYAK ENCLAVE
COMMERCIAL CUM RESIDENTIAL

Fully Furnished Flat
•Lift
•Power Backup
For Sale
Ground Floor = Hall (2800sqft.)
1st to 3rd Floor = 3BHK Flat(1550sqft.)
Site Add : Plot No. 600/5, House No. 120/505, Shivji Nagar, Scheme No.1 Kanpur Nagar (Near Shivani Nursing Home) Near Kanpur Medical Centre Lajpat Nagar, Kanpur
Mob : 9936444099, 7355766844, 9369936943

बर्रा में खुला इंडिक्रस्ट पिज़्ज़ेरिया एंड कैफ़े

शाखा का महापौर प्रमिला पांडे ने किया शुभारंभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुरवासियों के लिए स्वाद और ताज़गी का नया ठिकाना बनकर उभरा है इंडिक्रस्ट पिज़्ज़ेरिया एंड कैफ़े। शहर के बर्रा क्षेत्र में आज इसकी नई शाखा का भव्य उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रमिला पांडे रहीं, जिन्होंने फीता काटकर कैफ़े का शुभारंभ किया। इंडिक्रस्ट पिज़्ज़ेरिया एंड कैफ़े अपने 100ब शाकाहारी और हस्तनिर्मित पिज़्ज़ा के लिए जाना जाता है। यह नई शाखा ग्राहकों को आधुनिक कैफ़े माहौल में ताज़ा पिज़्ज़ा, पास्ता और विभिन्न पेय पदार्थों का आनंद प्रदान करेगी।

संस्थापक योगेश कुशवाहा एवं अनुज प्रकाश ने उद्घाटन अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों और स्थानीय ग्राहकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इंडिक्रस्ट का उद्देश्य स्वाद, स्वच्छता और गुणवत्ता को हर ग्राहक तक पहुँचाना है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही इंडिक्रस्ट की और शाखाएँ शहर के अन्य प्रमुख इलाकों में भी खोली जाएंगी ।इस मौके पर पार्षद सुधीर यादव, अखिलेश बाजपेयी, नीरज चड्ढा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और फ़ूड लवर्स मौजूद रहे। सभी ने इंडिक्रस्ट के स्वाद और सेवा की खुलकर सराहना की ।कार्यक्रम का समापन अतिथियों को विशेष पिज़्ज़ा और पेय पदार्थ परोसे जाने के साथ हुआ, जिसने सभी के स्वाद को लाजवाब अनुभव दिया।

नगर निगम में जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण दिवाकर भास्कर के प्रभार में कटौती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने कार्यभार संभालने के बाद निगम प्रशासन में संतुलन और कार्यकुशलता लाने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इसी क्रम में प्रभारी एक्सियन दिवाकर भास्कर के कार्यों की अधिकता को देखते हुए उनके विभागीय प्रभार में कटौती की गई है ।नई व्यवस्था के तहत उद्यान विभाग का चार्ज सहायक अभियंता मीनाक्षी गुप्ता को सौंपा गया है, जबकि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (कचरा प्रबंधन) का कार्य अब जोन-5 के अधिशासी अभियंता कमलेश पटेल को दिया गया हैनगर आयुक्त ने बताया कि शहर की साफ-सफाई व्यवस्था और जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने संकेत दिया कि उदासीन और लापरवाह अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा लगातार जारी है और जल्द ही कई स्तरों पर और बदलाव देखने को मिल सकते हैं ।अर्पित उपाध्याय ने कहा कि निगम की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी ताकि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं और स्वच्छ वातावरण मिल सके।

महाराजा अग्रसेन सेतु के नाम से जाना जाएगा जयपुरिया ओवरब्रिज

» सांसद रमेश अवस्थी ने किया उद्घाटन, जयपुरिया क्रॉसिंग पर जाम की समस्या का हुआ समाधान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जयपुरिया क्रॉसिंग पर जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्मित ओवरब्रिज का नाम अब महाराज अग्रसेन सेतु होगा। सांसद रमेश अवस्थी ने पुल का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर सुरेश गुप्ता ने सभा के दौरान पुल का नाम अग्रसेन महाराजा रखने का प्रस्ताव रखा, जिस पर सांसद रमेश अवस्थी ने सहमति जताते हुए इसकी घोषणा की ।उद्घाटन समारोह में एनडीए के सभी घटक दलों के नेता मौजूद रहे, आलोक श्रीवास्तव, सोहनलाल कोल, मोहम्मद उस्मान, अनुज सोनी, विपिन यादव, राम प्रताप पाल और रोबिल गुप्ता शामिल थे। ज्ञात हो कि दो दिन पूर्व ही स्थानीय नागरिकों ने आवागमन के लिए पुल का उपयोग प्रारंभ कर दिया था, लेकिन सेतु निगम के निर्देश पर पुलिस ने बैरिकेड लगाकर पुल को बंद कर दिया था। अब सांसद के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही पुल आम जनता के लिए खोल दिया गया है।

केडीए दफ्तर में प्रदर्शन कर सीवर समस्या पर जताया आक्रोश

» रतनपुर, गंगागंज और सेक्टर-14 के लोगों का फूटा गुस्सा, वर्षों से लंबित समस्याओं पर उठी कार्रवाई की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) दफ्तर के प्रांगण में मंगलवार को क्षेत्रीय नागरिकों मौजूदा पार्षद तथा पूर्व पार्षद ने केडीए प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रतनपुर सेक्टर-14, डूडा कॉलोनी और गंगागंज के सैकड़ों लोगों ने सीवर और अवैध वसूली की समस्या को लेकर धरना-प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि केडीए ने पिछले 20 वर्षों से क्षेत्र की सीवर लाइन की समस्या का समाधान नहीं किया। पार्षद अनुप्रिया दुबे और पूर्व पार्षद अशोक कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी और उपाध्यक्ष केडीए को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि अमीन रामलाल समेत भ्रष्ट कर्मचारियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अमीन किसानों से जमीन नापने और वैध प्लाटिंग कराने के नाम पर भारी वसूली करता है। जो किसान पैसा नहीं देता, उसकी जमीन को अतिक्रमण बताकर ध्वस्त कर दिया जाता है। पार्षद अनुप्रिया दुबे ने कहा कि केडीए में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। दो सालों से लगातार शिकायतें दी जा रही हैं, मगर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ पत्राचार हो रहा है। जनता अब सडक़ पर उतर चुकी है, जब तक समाधान नहीं होगा, तब तक यह धरना जारी रहेगा। धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र समाधान नहीं किया तो वे लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर केडीए अधिकारियों के भ्रष्टाचार की शिकायत करेंगे। धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से पार्षद अनुप्रिया दुबे, पूर्व पार्षद अशोक दुबे, प्रांजल दुबे, संतोष शर्मा, जय श्रीवास्तव, आदेश दुबे ,चंदन दुबे, अनिल दुबे, संतोष चावला, राहुल दुबे, पंकज पाल, शिवम शुक्ला, शंकर सविता आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर व ऑटो की भिड़ंत में वृद्ध की मौत, आधा दर्जन घायल

» गंभीर रूप से घायलों को हैलट अस्पताल रेफर किया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के उसरी बम्बी के निकट ऑटो व ट्रैक्टर की भिड़ंत में ऑटो में सवार वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई जबकि आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार करने के बाद हैलट रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत उसरी बम्बी के निकट ऑटो व ट्रैक्टर में भिड़ंत हो गई। जिसमें ऑटो में सवार सरवन 60 निवासी पहाड़ीपुर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि ऑटो में सवार शोभा देवी निवासी तुलसी नगर व उसका भाई संजय कुमार, पूनम देवी, निखिल निवासी लछियामऊ औरैया भी घायल हुए। इसके अलावा बेला की ओर से आ रहा बाइक सवार कुरंगना निवासी कमल व उसका चचेरा भाई प्रांशु भी इसी दुर्घटना की चपेट में आ गया जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएचसी में जहां सभी घायलों का उपचार हुआ। जहां कमल, प्रांशु व शोभा की स्थिति ज्यादा खराब होने के चलते डॉक्टर सौरभ शाक्य ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हैलट कानपुर रेफर किया। घटनास्थल पर ऑटो और बाइक मिली जबकि ट्रैक्टर चालक व ट्रैक्टर मौके से फरार मिला। नायब तहसीलदार शिवदर्शन सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा दिलाया जाएगा। रसूलाबाद थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रोजेक्ट नई किरण में छह दंपति फिर साथ रहने को हुए राजी

» मिशन शक्ति 05 के तहत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने की हो रही पहल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत आज रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में 'प्रोजेक्ट नई किरण' की शुरुआत की गई। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य पारिवारिक विवादों को सुलझाकर टूटे हुए परिवारों को फिर से एक साथ लाना है।प्रोजेक्ट नई किरण के पहले दिन कुल 44 मामले प्रस्तुत हुए। प्रोजेक्ट के सदस्यों और पुलिस अधिकारियों ने सभी मामलों पर ध्यान दिया और दोनों पक्षों को समझाया। लंबी बातचीत और प्रयासों के बाद, इनमें से 6 परिवारों में सफलतापूर्वक समझौता कराया गया। दोनों पक्षों ने पुरानी बातों को भुलाकर एक साथ रहने के लिए राजी हो गए। शेष प्रार्थना पत्रों पर अगली तारीखों में सुनवाई की जाएगी। इस पहल को सफल बनाने में महिला थाना प्रभारी ज्योति देवी, हेड कांस्टेबल जयमाला, कांस्टेबल रीनू, रंजना सोनकर, रागिनी (महिला सहायता प्रकोष्ठ) व प्रोजेक्ट नई किरण के सदस्य रामप्रकाश सिंह, डॉ0 पूनम गुप्ता व कंचन मिश्रा आदि का विशेष सहयोग रहा।

स्वरूपपुर गांव चार साल से सरकारी योजनाओं से वंचित

» ग्रामीणों ने लगाई राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला से गुहार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर विकासखंड के ग्राम स्वरूपपुर के ग्रामीण पिछले साढ़े चार वर्षों से सरकारी योजनाओं से वंचित हैं। कारण यह है कि गांव का नाम ऑनलाइन पोर्टल पर दिखाई ही नहीं दे रहा है, जिससे विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, विकलांग पेंशन जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले पंचायत चुनाव में स्वरूपपुर को नवीपुर नागिनजसी ग्राम पंचायत से अलग कर दिया गया था। विभाजन के बाद नवीपुर नागिनजसी नगर पंचायत अकबरपुर में शामिल हो गई, जबकि स्वरूपपुर को अलग ग्राम पंचायत का दर्जा दिया गया। लेकिन ऑनलाइन रिकॉर्ड में गांव का नाम अब तक अपडेट नहीं हुआ, जिससे गांव तकनीकी रूप से किसी भी योजना में चयन योग्य नहीं दिख रहा है।गांव के निवासी बलराम शर्मा पुत्र स्वर्गीय सुखदेव प्रसाद शर्मा ने इस समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की, परंतु अब तक कोई समाधान नहीं हुआ। उन्होंने अब महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला से गुहार लगाई है कि गांव को ऑनलाइन रिकॉर्ड में शामिल कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

ग्रामीणों का कहना है कि हमारे गांव के विधवा, वृद्ध और विकलांग नागरिक वर्षों से पेंशन जैसी योजनाओं से वंचित हैं। शासन की मंशा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे, लेकिन तकनीकी त्रुटि के कारण हमें लाभ नहीं मिल पा रहा है।

अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला के संज्ञान में मामला आने के बाद समस्या का शीघ्र समाधान होगा और स्वरूपपुर गांव को भी शासन की योजनाओं से जोड़ने का मार्ग खुलेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

शॉर्ट सर्किट से प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी भीषण आग

» फैक्ट्री मालिक ने करोड़ों रुपये का नुकसान होने का दावा किया

» प्रशासन ने फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जांच की शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। औद्योगिक क्षेत्र रनिया स्थित प्रियांशु इंटरप्राइजेज प्लास्टिक सामान बनाने वाली फैक्टरी में सोमवार सुबह शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज़ी से फैली कि देखते ही देखते करोड़ों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है। यह फैक्टरी प्लास्टिक की बाल्टी, स्टूल, टब और अन्य कई घरेलू सामानों का निर्माण करती है। सुबह के समय फैक्टरी परिसर में दो मजदूर और एक गार्ड मौजूद थे। मजदूर खाना बना रहे थे, तभी फैक्टरी के पिछले हिस्से में शॉर्ट सर्किट का तेज धमाका हुआ। आवाज सुनते ही मजदूर और गार्ड तुरंत परिसर से बाहर की ओर भाग निकले, जिससे उनकी जान बच गई। बाहर आकर उन्होंने देखा कि फैक्टरी धू-धू कर जल रही थी और आग की लपटों से दीवार भी गिर पड़ी।

फैक्ट्री में सुरक्षा गार्ड रमेश ने बताया कि यहां प्लास्टिक के दाने से टब, बाल्टी और मग्गे जैसे घरेलू उत्पाद बनाए जाते थे। उन्होंने बताया कि आग लगने के समय फैक्ट्री के अंदर कोई मजदूर मौजूद नहीं था।

घटना की सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रतीक श्रीवास्तव सहित दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग को नियंत्रण में कर लिया। मौके पर पहुंचे कानपुर देहात एएसपी राजेश पाण्डेय, सीएफओ प्रतीक श्रीवास्तव और सीओ आलोक कुमार ने स्थिति का जायजा लिया। सीएफओ प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि फैक्टरी में फायर की एनओसी नहीं मिली है

साथ ही और आग बुझाने के लिए मौके पर कोई उपकरण भी नहीं मिला है यह एक बड़ी लापरवाही खुलकर सामने आई है। जिसमें अब अफसरों से जवाब और सवाल खड़े कर दिए हैं

फैक्टरी मालिक को भारी क्षति

आग की घटना की जानकारी मिलने पर फैक्टरी मालिक सुरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। अपनी फैक्टरी की हालत देखकर वे हैरान रह गए। फैक्टरी मालिक ने बताया कि इस भीषण आगजनी में उन्हें लगभग कई करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

कानपुर देहात के अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेय ने घटना की पुष्टि की है कि आग से कोई जनहानि नहीं हुई है और दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया है। प्रशासन ने फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जांच शुरू कर दी है।

भारत की बेटियों ने जीता वर्ल्ड कप
कानपुर में फिर मनी दीपावली

» आधी रात को तिरंगा यात्रा, आतिशबाजी और नारों से गूंजा शहर

» पूर्व क्रिकेटरों ने कहा महिला क्रिकेट के लिए स्वर्णिम अध्याय

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महिला विश्व कप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की दक्षिण अफ्रीका पर ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे शहर में उत्सव का माहौल देखने को मिला। देर रात तक किदवई नगर, गोविंद नगर, ग्वालटोली, परेड, साकेत नगर और लाल बंगला जैसे क्षेत्रों में लोगों ने आतिशबाजी कर भारत माता की जय के नारे लगाए। रविवार रात महिला टीम की जीत के साथ ही क्रिकेट प्रेमी टीवी स्क्रीन के सामने झूम उठे। जैसे ही अंतिम गेंद पर जीत सुनिश्चित हुई, लोगों ने सड़कों पर उतरकर देशभक्ति गीतों और नारेबाजी के साथ जीत का स्वागत किया।

परेड और लाल बंगला क्षेत्र में युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। शहर की कई क्रिकेट एकेडमियों के खिलाड़ी आश्रित, सिमरन, रोहित और विराट सहित दर्जनों युवाओं ने पटाखे जलाकर भारतीय महिला टीम को बधाई दी। वहीं जाजमऊ के रोवर्स मैदान में क्रिकेट प्रेमियों ने तिरंगा लहराते हुए आतिशबाजी की।पूर्व महिला क्रिकेटर और आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल नीतू डेविड ने कहा कि भारत की बेटियों ने इतिहास रच दिया है, यह जीत महिला क्रिकेट के लिए स्वर्णिम अध्याय साबित होगी। वहीं रीता डे ने कहा, देशवासियों ने जो सपना देखा था, बेटियों ने उसे साकार कर दिखाया।

सोशल मीडिया पर भी उत्सव का माहौल

महिला टीम की जीत के बाद सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा नई ऊर्जा, नया इतिहास नारी शक्ति ने फिर साबित किया कि भारत हर मैदान में चैंपियन है।वहीं दिव्या नामक यूजर ने इस जीत को अद्भुत, अलौकिक और अभिनंदनीय बताया। एक अन्य यूजर ने लिखा दुनिया देख रही है दम, विश्व कप जीत गए हैं हम,ये भारत की नारी हैं सब पर भारी हैं। शहरवासियों का कहना है कि यह जीत केवल क्रिकेट की नहीं, बल्कि नारी शक्ति और भारतीय खेल संस्कृति की जीत है, जिसने देश के हर नागरिक का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है।

एसपी ने सुनी फरियादियों की शिकायत, न्याय का दिया भरोसा

» एसपी ने कहा जनता दरबार में आई शिकायतें के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। सोमवार को जिले के पुलिस कप्तान एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने अपने कार्यालय में जनता दरबार लगाकर क्षेत्र से आने वाले फरियादियों की शिकायतें सुनी।

शिकायतें सुनने के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का जहां गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया। वही शिकायतकर्ताओं को भी इस बात का विश्वास दिलाया कि उनकी शिकायत पर न्याय उचित कार्रवाई की जाएगी।

जिले के पुलिस अधीक्षक श्रध्दा नरेंद्र पांडेय के निर्देशन में पुलिस अपराधों पर नियंत्रण कर रही है। वहीं कई घटनाओं का सफल अनावरण भी हो रहा है। सोमवार को पुलिस कप्तान ने कार्यालय में बैठकर क्षेत्र के आने वाले फरियादियों की शिकायते सुनी। इस दौरान एसपी ने शिकायतकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायत पर न्यायोचित कार्रवाई की जाएगी। जनता दरबार में आने वाली शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर भी उन्होंने संबंधित थानाध्यक्षों को निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि जनता दरबार में आने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए और अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए।

सिकंदरा में सरदार पटेल जयंती पर जनप्रतिनिधियों ने दिया एकता का संदेश

इटावा सांसद जितेन्द्र दोहरे सहित कई नेताओं ने रखे विचार, कहा कि देश की प्रगति एकजुटता में निहित है

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरदार पटेल स्मृति सेवा संस्थान सिकंदरा की ओर से लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद सुलेमान ने की तथा संचालन रामासरे वर्मा ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इटावा सांसद जितेन्द्र दोहरे रहे।इस अवसर पर पूर्व विधायक मिथलेश कटियार, कांग्रेस के झांसी प्रभारी नरेश कटियार, ब्लाक प्रमुख राकेश कटियार, समाजसेविका चौधरी निहारिका सिंह, अर्जक संघ नेता श्रीकृष्ण यादव, सपा जिलाध्यक्ष अरुण यादव 'बबलू राजा', पाल महासभा के अमर सिंह पाल, सतेन्द्र भदौरिया सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संस्थान के अध्यक्ष पवन कटियार ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया।वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सरदार पटेल की नीति और विचारधारा आज भी देश की एकता और अखंडता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने जाति, धर्म और वर्ग भेद से ऊपर उठकर देश को संगठित करने का जो कार्य किया, वही भारत की ताकत है।सांसद जितेन्द्र दोहरे ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की 562 रियासतों को एकसूत्र में पिरोकर जो ऐतिहासिक कार्य किया, वह हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। युवा नेत्री चौधरी निहारिका सिंह ने कहा कि युवाओं को सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।कांग्रेस नेता नरेश कटियार ने कहा कि सरदार पटेल की विचारधारा सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में आज भी मार्गदर्शक है। ब्लाक प्रमुख राकेश कटियार ने भी विचार रखे। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन सुरेशबाबू कटियार, डॉ. शिवनाथ कटियार, मनोज कटियार, विश्राम स्वरूप कटियार, दीपा कटियार, सरबन कटियार, अजय कटियार, आशीष तिवारी, वेदव्यास निराला, भूरे यादव, आशाराम भारती, प्रमोद पटेल, सीताराम कटियार, असलम राइन, कार्यक्रम में समाजसेवी संजू कटियार समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक व समाजसेवी मौजूद रहे।

मिड-डे मील को लेकर रसोइये से भिड़ने वाली शिक्षिका निलंबित

» खाने की गुणवत्ता कम करने का दबाव बनाने का है आरोप

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। ऊंचगांव सानी प्राथमिक विद्यालय की सहायक शिक्षिका का रसोइयों से मिड–डे मील की गुणवत्ता को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद दोनों में मारपीट हुई। किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। बीईओ की जांच के बाद बीएसए ने शिक्षिका को निलंबित कर बीईओ कार्यालय में संबद्ध कर दिया है।

ब्लॉक क्षेत्र के ऊंचगांव सानी स्थित प्राथमिक विद्यालय में तैनात सहायक अध्यापिका प्रियंका श्रीवास्तव का शनिवार को स्कूल की रसोइयों प्रज्ञा, मंजू और लक्ष्मी से धक्कामुक्की का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें शिक्षिका रसोइया को गिराकर उसके ऊपर बैठी दिख रहीं हैं। यह देख दूसरी रसोइया शिक्षिका को पीटने के लिए प्लास्टिक का पाइप हाथ में लिए दिख रही हैं।वीडियो वायरल होने पर बीएसए अमिता सिंह ने बीईओ सुरेश सिंह को जांच के लिए स्कूल भेजा। रसोइया प्रज्ञा ने बताया कि शिक्षिका खाने की गुणवत्ता में खेल का दबाव बनाती हैं। शनिवार को इसी बात को लेकर बहस करने लगीं। मानक के अनुरूप बच्चों को भोजन देने की बात कही तो हाथापाई करने लगीं। साथी रसोइया मंजू और लक्ष्मी ने बचाया।

ग्राम प्रधान अतुल चौधरी ने बताया कि पहले भी सहायक शिक्षिका स्टॉफ और छात्रों से अभद्रता कर चुकी हैं। बीईओ की रिपोर्ट पर बीएसए ने सहायक शिक्षिका को निलंबित कर पुरवा बीआरसी में संबद्ध किया है। मामले की जांच हसनगंज बीईओ को दी गई है।बीएसए अमिता सिंह ने बताया कि शिक्षिका का यह बर्ताव सही नहीं है, उन्हें निलंबित कर दिया गया है। हसनगंज बीईओ की आख्या के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम जेई और सफाई निरीक्षक के खिलाफ लोकायुक्त जांच की मांग उठी

» ट्रस्ट अध्यक्ष का आरोप, अवर अभियंता जलकल शशिकला चौधरी, अन्नु जायसवाल और सफाई निरीक्षक ब्रिजेन्द्र वर्मा ने बनाई करोड़ों की संपत्ति

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।नगर निगम अयोध्या के स्थानांतरण नीति के विवाद को लेकर स्वयंसेवी संगठन भी आगे आ गए है, श्री आदित्यनाथ गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा तीन वर्षों से जमे अधिकारियों के स्थानांतरण और और अभियंता जलकल शशिकला चौधरी ,अवर अभियंता जलकल अन्नु जायसवाल, सफाई निरीक्षक बृजेंद्र वर्मा के विरुद्ध कुछ ही वर्षों में बनाई गई करोड़ों की संपत्ति को लेकर जांच की मांग की गयी है ।

श्री आदित्यनाथ गौ सेवा ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

श्री आदित्यनाथ गौ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश सिंह मानव ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर यह मांग उठाई है।

राजेश सिंह मानव ने कहा नगर निगम के अधिकारियों के लंबे समय से टीके होने के कारण भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा और ठेकेदारी में अपने रिश्तेदारों ,परिचितों को उतार कर खुद ही ठेकेदारी की जा रही है। स्थानांतरण नीति का प्राविधान इसीलिए किया गया है कि कोई भी अधिकारी 3 वर्ष बाद स्थानांतरित होने से उसके द्वारा किसी भी तरह से भ्रष्टाचार के गतिविधि की संभावना शून्य होती है लेकिन नगर निगम अयोध्या में जनप्रतिनिधियों के वरदहस्त के कारण कुछ अधिकारी वर्षों से तैनात है और वही अधिकारी अपने परिचित व रिश्तेदारों को ठेकेदारी में उतारकर अपना पैसा लगाकर खुद ठेकेदारी कर रहे हैं। राजेश सिंह मानव ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में आरोप लगाया कि नगर निगम अयोध्या के अधिकारी गलत फाइलों के लिए मशहूर है और अवर अभियंता जलकल शशिकला चौधरी और अन्नु जायसवाल के विरुद्ध पूर्व में भी कई शिकायतें उठी हैं। सूत्रों के अनुसार लखनऊ से लेकर अयोध्या तक मकान और जमीनों की खरीदारी इन अधिकारियों द्वारा अल्प समय में ही की जा चुकी है। मानव ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में यह आरोप लगाया कि इन अधिकारियों के मकान, जमीन, लग्जरी गाडियां व रहन–सहन का तरीका उनके वेतन से मेल नहीं खाता हैं। दीपोत्सव और प्रांतीय मेलों की आड़ में उनके द्वारा अपने रिश्तेदारों और परिचितों के नाम तमाम पत्रावलियां तैयार की जाती है जिनका भुगतान भी कराया जाता है। श्री आदित्यनाथ गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा मुख्यमंत्री से तत्काल 3 वर्षों से ज्यादा जमे अधिकारियों के स्थानांतरण और अवैध संपत्ति को लेकर लोकायुक या विजिलेंस से जांच की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता महंत सन्त दास उर्फ राजेश सिंह मानव

विजेंदर वर्मा सफाई निरीक्षक नगर निगम

शशिकला अवर अभियंता नगर निगम

तो क्या अयोध्या सदर तहसील में चल रहा फर्जी स्थगन आदेश का खेल

» वसीयत अन्य गाटा पर, स्टे खातों पर और कब्जा तीसरे गाटा पर

» गलत तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट लगाकर मामले को निस्तारित कर दिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सदर तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्रामसभा कोरखाना में जालसाजी, भ्रष्टाचार और राजस्व अभिलेखों से खिलवाड़ का चौंकाने वाला मामला प्रकाश में आया है। 72 वर्षीय वृद्ध रामकुमार न्याय की तलाश में तहसील के चक्कर काटते थक चुके हैं, लेकिन फर्जी आदेशों और भ्रष्ट सिस्टम की मिलीभगत से उन्हें अब तक न्याय नहीं मिल पाया है।

पीड़ित रामकुमार ने बताया कि वर्ष 2014 में उनके पिता तुलसीराम का निधन हो गया। पिता की मृत्यु के बाद उनके भाई श्यामलाल और भतीजे राम सुरेश ने एक जाली वसीयत तैयार करवाई। इस वसीयत में गाटा संख्या 74, 75, 78 और 92 दर्ज की गई और इसे आधार बनाकर सदर तहसील में स्थगन आदेश की मांग की गई। रामकुमार के अनुसार वसीयत में जिन गाटों का उल्लेख था, उनके लिए दायर आवेदन में खाता संख्या 36 और 38 पर स्थगन आदेश मांगा गया, लेकिन राजस्व अभिलेख में हेरफेर कर स्थगन आदेश चढ़ा दिया गया गाटा संख्या 41 पर, जिस पर मृतक तुलसीराम का कोई स्वामित्व अथवा संबंध नहीं था।

मुकदमा समाप्त, लेकिन फर्जी आदेश कायम

मामले में दायर वाद वर्ष 2023 में समाप्त हो चुका है, इसके बावजूद गाटा संख्या 41 पर दर्ज यह फर्जी स्थगन आदेश आज भी लागू

है। इससे पीड़ित पक्ष की संपत्ति के निस्तारण और उनके वैधानिक अधिकारों पर कृत्रिम रोक बनी हुई है। पीड़ित का आरोप है कि वसीयत में दर्ज गाटों के हिस्सों को भानु यादव, मुकेश मौर्या और कौशल यादव नामक स्थानीय प्रॉपर्टी डीलरों को फर्जी एग्रीमेंट के माध्यम से कौड़ियों के दाम बेच दिया गया। बेची गई जमीन की रकम भी परिवार के हिस्सेदारों तक नहीं पहुंची।

गलत तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट

रामकुमार ने जब इस पूरे खेल की शिकायत की तो जांच की जिम्मेदारी एसडीएम सदर को दी गई। पीड़ित का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को बचाने के लिए एसडीएम सदर ने गलत तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट लगाकर मामले को निस्तारित कर दिया। इससे स्पष्ट होता है कि भ्रष्टाचार का यह खेल राजस्व कर्मचारियों की मिलीभगत से लंबे समय से चल रहा है। रामकुमार का कहना है कि वह वर्षों से न्याय की उम्मीद लेकर सदर तहसील के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन भ्रष्ट तंत्र के सामने उनकी आवाज आज भी दबाई जा रही है। उन्होंने जिलाधिकारी से इस पूरे प्रकरण की उच्च-स्तरीय जांच कराते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

प्रभु झूलेलाल पर आपत्तिजनक टिप्पणी से सिंधी समाज में उबाल

छत्तीसगढ़ क्रांति सेना प्रमुख ने की आपत्तिजनक टिप्पणी, 36 घंटे में गिरफ्तारी की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। छत्तीसगढ़ क्रांति सेना प्रमुख अमित बघेल के विवादित बयान ने सिंधी समाज की भावनाओं में भूचाल ला दिया है। धार्मिक आस्था पर चोट और सिंधी समाज को पाकिस्तानी कहे जाने के विरोध में अयोध्या में मंगलवार सुबह 10:30 बजे शिवालय से दोपहिया वाहनों की रैली निकालकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेगी। सिंधी समाज ने स्पष्ट चेतावनी दी है 36 घंटे में गिरफ्तारी नहीं तो आंदोलन तेज होगा।

अमित बघेल प्रमुख क्रांति सेना छत्तीसगढ़

शिवालय परिवार की बैठक में लिए गए इस निर्णय की अध्यक्षता मुखिया राजकुमार मोटवानी ने की। बैठक में महंत गणेश दास सहित समाज के प्रमुख पदाधिकारी व व्यापारी शामिल रहे। इस पूरे विवाद की आंच मुंबई तक जा चुकी है। महाराष्ट्र के ठाणे (उल्हासनगर) में कैलाश सुखमानी की शिकायत पर बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है।

विवाद की चिंगारी कहाँ से उठी

26 अक्टूबर रायपुर के वीआईपी चौक पर एक मानसिक रूप से बीमार युवक ने छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति क्षतिग्रस्त कर दी। इसके बाद राज्य में विरोध तेज हुआ। अगले ही दिन भड़काऊ माहौल में अमित बघेल का बयान आया पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अग्रसेन महाराज की मूर्तियां क्यों नहीं टूटतीं? पाकिस्तानी सिंधी क्या जानते हैं भगवान झूलेलाल के बारे में? यही बयान सिंधी समाज की अस्मिता पर हमला माना गया और घोर आपत्ति जताई गई। सिंधी समाज का कहना है कि प्रभु झूलेलाल सिंधी समुदाय की आस्था के केंद्र हैं। ऐसे में उन पर आपत्तिजनक शब्द न सिर्फ धार्मिक मर्यादा का उल्लंघन है बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत पर भी आघात है। समाज ने मांग की है कि तत्काल गिरफ्तारी

क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने इस विवाद के बाद साफ कह दिया है कि वह किसी भी हालत में माफी नहीं मांगेंगे न ही अपना बयान वापस लेंगे। वह आर पार की लड़ाई के लिए तैयार है।

हो, राष्ट्र विरोधी मानसिकता पर कार्रवाई हो, अमित सार्वजनिक माफी मांगे। विवाद बढ़ने पर भी बघेल पीछे हटने को तैयार नहीं। मीडिया से कहा उनकी यह जिद अब आंदोलन की आग को और भड़का रही है। सिंधी समाज का स्पष्ट कहना है आस्था के अपमान पर चुप रहना गुनाह है।

राष्ट्र गौरव गुंजित हो भारत मां केवल यह आनन्द चाहिए...

» भरत कुंड में आयोजित हुआ विशाल राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

राजेश सिंह मानव को लड्मेव जयते पुस्तक समर्पित की गई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय हास्य-व्यंग्यकार डा. ताराचंद्र तन्हा के हास्य-व्यंग्य की एक- एक पंक्तियों पर तो तालियों की वो गूंज व ठहाकों की फुलझड़ियों से पूरा पण्डाल तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम के अंत में संचालन कर रहे अशोक टाटम्बरी ने अपनी सुप्रसिद्ध रचना बसंत नामा की कुछ महतवपूर्ण पंक्तियों से खूब तालियां बटोरीं। राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का संयोजन अंतर्राष्ट्रीय कवि डा. ताराचंद्र तन्हा ने और अध्यक्षता श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के संरक्षक राजेश सिंह मानव महन्त संतदास ने की। कवि डा. वेद प्रकाश द्विवेदी प्रचण्ड ने राष्ट्र गौरव गुंजित हो भारत मां केवल यह आनन्द चाहिए। शब्दों में हो राष्ट्र वंदना ऐसे सुरभित छंद चाहिए.. सुनाकर माहौल को राष्ट्रभक्ति से भर दिया। कवि सम्मेलन में राजीव नादान व अकेला आदि कवियों ने भी काव्य पाठ किया। इसके बाद कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश सिंह मानव संतदास गौ सेवक को हास्य-व्यंग्यकार डा. ताराचंद्र तन्हा जी ने अपनी हास्य-व्यंग्य की पुस्तक लड्मेव जयते को मंच पर समर्पित किया। महोत्सव अध्यक्ष ने बताया प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी जा रही है। आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। इस दौरान समूचा यज्ञ स्थल जयकारे से गुंजायमान हो गया। भिखारी बाबा ने बताया कि जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के संरक्षक एवं रसड़ा बलिया विधायक उमाशंकर सिंह ने मुहैया कराया है। इनके द्वारा वर्ष 2009 से हर यज्ञ कार्यक्रम में सहयोग किया जाता है। इसी प्रकार कई सहयोगी दान दाता हैं, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफल होता है। कार्यक्रम मे महंत परमात्मा दास सम्पूर्णानंद, बजरंग दल अयोध्या के जिला संयोजक सूर्यकांत पांडेय, विश्व हिन्दू परिषद /बजरंगदल अयोध्या के जिला सहमंत्री प्रभाकर सिंह मुख्य यजमान चेनराज, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कमला शंकर पांडेय, पवन मिश्र,ओम नरायन पांडेय, कृष्ण कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

पांच दिनों में सात लाख श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। कार्तिक मेले में आने वाले श्रद्धालुओं में रामलला के दर्शन की ललक दिख रही है। राजाराम की दिव्य छवि भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है। पांच दिनों में सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किए और हर दर्शनार्थी की आंखों में एक ही भाव झलकता रहा, धन्य हुआ जीवन, पा लिए प्रभु के दर्शन।सुबह से ही राम

जन्मभूमि परिसर में दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लग जाती हैं। घंटियों की गूंज और जयकारों के स्वर से पूरी नगरी भक्तिरस में सराबोर है। श्रद्धालुओं का उत्साह ऐसा कि देर रात तक दर्शन के लिए जनसैलाब बना रहता है। रामलला के दरबार में जैसे ही श्रद्धालु प्रवेश करते है, भक्ति का भाव स्वत: मुखर हो उठता है। कोई हाथ जोड़े, आंख मूंदे खड़ा है तो कोई भावविभोर है।

रविवार को भी रामलला के दरबार में श्रद्धालुओं की लंबी कतार रही। राजा राम की दिव्य छवि का दर्शन कर श्रद्धालु निहाल हो रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र के अनुसार, मेले के शुरुआती दिनों में प्रतिदिन लगभग एक से डेढ़ लाख भक्तों ने रामलला के दर्शन किए।

भारत की बेटियों का क्रिकेट में स्वर्णिम अध्याय

52 साल बाद महिला क्रिकेट विश्वकप हुआ भारत के नाम

नवी मुंबई की शाम ने रचा इतिहास, पूरे देश में जश्न का माहौल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

नवी मुंबई। 2 नवंबर 2025 कि यह तारीख अब हमेशा भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहेगी। डी.वाई. पाटिल स्टेडियम का आसमान तिरंगे के रंगों में नहाया जब भारत की महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से मात देकर 52 साल के लंबे इंतजार का अंत किया। यह जीत केवल एक ट्रॉफी की नहीं, बल्कि भारतीय महिला शक्ति, आत्मविश्वास और अदम्य साहस की जीत है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत भले ही धीमी रही, लेकिन युवा सितारों ने मोर्चा संभाल लिया। शेफाली वर्मा (87 रन) ने आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाज़ी करते हुए विपक्षी गेंदबाज़ों को बैकफुट पर धकेल दिया। उनका साथ दिया दीप्ति शर्मा (58 रन) ने, जिन्होंने धैर्य और सटीकता से टीम को मज़बूत स्थिति में पहुंचाया। जवाब में उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने एक समय मैच को रोमांचक बना दिया, लेकिन दीप्ति शर्मा ने गेंदबाज़ी में भी करिश्मा दिखाते हुए 5 विकेट झटके और विरोधी टीम को 246 रनों पर समेट दिया। इसके साथ ही भारत ने फाइनल मुकाबला 52 रनों से जीतकर इतिहास रच दिया।

जैसे ही टीम इंडिया ने जीत दर्ज की, पूरे देश में जश्न की लहर दौड़ गई। सड़कों पर लोग उतर आए, गलियों में पटाखे फूटे और सोशल मीडिया पर भारत की बेटियाँ विश्वविजेता ट्रेंड करने लगा। लोग इस जीत की तुलना 1983 में कपिल देव की टीम की ऐतिहासिक जीत से कर रहे हैं। तब पुरुषों ने भारत में क्रिकेट का सपना जगाया था, अब बेटियों ने उसे नई ऊंचाई दी है।

दिग्गजों को समर्पित जीत

यह जीत उन महान खिलाड़ियों को भी समर्पित है, जिन्होंने इस सपने की नींव रखी मिताली राज, झूलन गोस्वामी, डायना एडुल्जी और अंजुम चोपड़ा जैसी दिग्गजों ने जो संघर्ष और समर्पण दिखाया, उसी के फलस्वरूप आज यह सुनहरा अध्याय संभव हुआ।

हरमनप्रीत की आंखों में इतिहास की चमक

मैदान पर जब कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ट्रॉफी उठाई, तो उनके आंसू सिर्फ खुशी के नहीं थे, बल्कि उन संघर्षों की कहानी थे, जब महिला क्रिकेट को नज़रअंदाज़ किया गया, जब मैदानों से लेकर सुविधाओं तक की कमी थी। आज उन्हीं बेटियों ने अपने जज़्बे और मेहनत से वह मुकाम हासिल किया, जिसने पूरे देश को गर्व से भर दिया।

रंगारेड्डी में भीषण सड़क हादसा, बस-ट्रक की टक्कर में 19 की मौत

पीएम मोदी ने किया मुआवजे का एलान, मृतकों में 10 महिलाएं और एक तीन माह का बच्चा भी शामिल

» हैदराबाद, एजेंसी।

तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिसमें 3 गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा चेवेला मंडल के खनापुर गेट के पास उस समय हुआ जब टीजीएसआरटीसी की बस और एक टिपर ट्रक आमने-सामने टकरा गए। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह के समय हुआ जब टिपर गलत दिशा से आ रहा था और बस से जा भिड़ा।

पुलिस के मुताबिक, चेवेला के पास एक टिपर ट्रक, जो ग्रेवल (बजरी) से भरा हुआ था, ने राज्य परिवहन निगम की बस को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का माल बस पर जा गिरा। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया कि हादसे की प्राथमिक वजह ट्रक चालक का गलत दिशा में वाहन चलाना लग रही है। फिलहाल चालक की पहचान की जा रही है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

» 19 लोगों में 10 महिलाएं और एक तीन महीने का बच्चा भी शामिल

मौके पर पहुंचे एडीजी महेश भागवत ने बताया कि आज सुबह, जब विकाराबाद डिपो की यह बस हैदराबाद की ओर जा रही थी, एक टिपर हैदराबाद की ओर से चेवेल्ला से विकाराबाद की ओर आ रहा था। आमने-सामने की टक्कर हुई, ऐसा लगता है कि टिपर बहुत तेज गति से यात्रा कर रहा था और उसने इस बस को टक्कर मार दी। अब तक कुल 19 लोगों की मौत हुई है- 10 महिलाएं, 8 पुरुष और 3 महीने का बच्चा शामिल है।

तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में हुए सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

राजस्थान हादसाः पांच गाड़ियों से टकराया डंपर, 50 को रौंदा, 19 लोगों की मौत

जयपुर, एजेंसी। जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर एक भयावह सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। लोहा मंडी रोड नंबर 14 पर तेज रफ्तार डंपर ने 300 मीटर तक बेकाबू होकर 10 गाड़ियों को रौंद दिया, जिससे मौके पर 19 लोगों की मौत हो गई और 15 से अधिक घायल हो गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद गाड़ियां परस्पर टकराकर क्षतिग्रस्त हो गईं और सड़क पर चीख-पुकार मच गई।

पुलिस के अनुसार यह दर्दनाक हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ, जब डंपर खाली अवस्था में हाईवे पर चढ़ने की कोशिश में था। तभी अचानक उसका ब्रेक फेल हो गया और वह बेकाबू होकर सड़क पर चल रहे वाहनों और राहगीरों को अंधाधुंध कुचलता चला गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि डंपर लगभग 300 मीटर तक लोगों और गाड़ियों को रौंदता हुआ आगे बढ़ता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह तब तक नहीं रुका जब तक कि वह एक बड़े डिवाइडर से टकरा नहीं गया।